VINAYAK CHILD HOSPITAL

(Advanced Neonatal & Pediatric Hospital)

Jelhata Chowk Near Ramada Hotel Daltonganj Palamu
+91 8235550925, 06562350009

2024

DI RY

Mobile Number : 8235550925

VINAYAK CHILD HOSPITAL

(Advanced Neonatal & Pediatric Hospital)

Our Specialities

DEPT OF PEADIATRICS & NEONATOLOGY
Dr. Gaurav Vishal
Dr. Sunil Kumar
Dr Rajesh Kumar

DEPT OF PAEDIATRIC SURGERY
Dr. A Ranjan

DEPT OF PATHOLOGY
Dr. Sweta Shekhar

On Call

DEPT OF RADIOLOGY
Dr. Roushan Sinha

DEPT OF CARDIOLOGY
Dr. Kaushal Kishore

DEPT OF OBS &GYNAE
Dr. Alka Shukla

DEPT OF OPHTHAMOLOGY
Dr. Bhartendu Kumar Varma

DEPT OF ENT
Dr. Subhash Kumar

DEPT OF DENTAL
Dr. Vanita Vaishali

FACILITIES

- Ayushman Bharat Yojna
- with Cashless Facilities

(TPA)

- Bajaj Allianz
- SBI General Insurance
- Universal Sompo
- Star Health

SPECIAL OPD

- Peadiatric Surgery

Our Facilities

- NICU,PICU,HDU
- Ventilation CPAP
- General ward
- Private Room
- Dormatery For Parents
- Photothrapy
- Oxygen suppy upto bed
- Premature Babies ETP
- 24 Hr Pathology Test
- 24Hr Doctor Avialable
- Fire Fighting
- 24 Hr Power Backup
- Lift With fire fighting

VINAYAK CHILD HOSPITAL

(Advanced Neonatal & Pediatric Hospital)

WORLD PEDIATRICIAN DAY

20 NOVEMBER

Children are our future,
Let's empower them with healthy smiles

VINAYAK CHILD HOSPITAL

(Advanced Neonatal & Pediatric Hospital)

Our care for children never fades

Pediatric Surgery Day

29 DECEMBER

गर्भावस्था

गर्भावस्था में देखभाल कैसे करे ? इसके लिए निम्न बातों का ध्यान रखें–

- नियमित रूप से डॉक्टर का परामर्श लें।
- नियमित रूप से अपनी जांच करवाएं।
- जरूरी वैक्सीन लगवाएं, मल्टीविटामिन लें।
- दवाइयां डॉक्टर के अनुसार ही लें।
- पौंटिक आहार लें।
- हानिकारक भोज्य पदार्थ से बचे।
- पूरी नींद लें व आराम करें।
- धूम्रपान न करें।
- व्यायाम करते रहें।

गर्भ में शिशु सुरक्षित है।

- सबसे पहला और इम्पोर्टेन्ट संकेत है बेबी की हार्ट बीट का महसूस होना।
- हेल्थी प्रेगनेंसी का अगला संकेत है माँ का बजन बढ़ना।
- अगला संकेत है पेट का आकार बढ़ना।
- चौथा जरूरी संकेत है शिशु की पेट में मूवमेंट।
- अगला पैरामीटर जो कि एक हेल्थी शिशु का लक्षण है, वो है **HCG** का सही लेवल।
- अगला संकेत है पेट में बहुत ज्यादा अकड़न होना

नवजात शिशु की देखभाल

नवजात शिशु को गोद में लेना या पकड़ना

नवजात शिशु को पकड़ते समय यह ध्यान रखें कि उसकी गर्दन व पीठ को पूरा सहारा मिले। नवजात बच्चों को कभी भी एकदम से ना उठाएं। नवजात बच्चों को एक झटके में उठाना या हवा में जोर से झुलाने से उन्हें मानसिक क्षति हो सकती हैं।

नवजात बच्चे को कैसे सुलाएं

नवजात शिशु को हमेशा पीठ के बल सुलाए। इससे उन्हें सही नींद आएगी व पीठ को सहारा मिलेगा। शिशु को पेट के बल ना सुलाए क्योंकि इससे उन्हें सांस लेने में कठिनाई हो सकती हैं। यहां यह ध्यान देना बहुत जरूरी है कि नवजात शिशु को दिन में कितनी देरे सोना चाहिए? तो चलिए जानते हैं कि नवजात बच्चे को कितनी देर की नींद चाहिए होती है:

क) नवजात बच्चे के लिए लगभग 16 से 20 घंटे तक की नींद बेहद आवश्यक होती है। तीन महीने के बाद बच्चे को कम से कम 8 से 10 घंटे तक सोते हैं।

ख) नवजात शिशु को रात में हर दो से तीन घंटे के अंतराल में दूध अवश्य पिलाएं। ऐसा कभी ना करें कि नवजात बच्चा लंबे समय तक सोया है और आप उसकी नींद में खलल ना डालने के चक्कर में उसे स्तनपान ना कराएं।

नवजात शिशु की देखभाल

नवजात शिशु को कैसे नहलाएं

शिशु को हमेशा नरम पानी से ही नहलाये। ठंडे या गर्म पानी में नहलाने से बचे। नहलाने के बाद उसको रगड़-रगड़कर ना पोंछे। इसकी जगह उसे तौलिये से थप-थपाकर पोंछे। नहलाते समय नवजात शिशु के दोनों कान को हाथ से अच्छी तरह से बंद कर लें ताकि कान में पानी नहीं जाए। अगर आप शिशु को पहली बार नहला रही हैं तो किसी जानकार या बुजुर्ग को अपने साथ अवश्य रखें।

नवजात शिशु को कितना दूध पिलाएं

नवजात शिशु को कम से कम 90-95 एमएल दूध की आवश्यकता होती है। थोड़े-थोड़े अंतराल में अपने शिशु को स्तनपान करवाते रहे। नवजात बच्चों को हर दो से तीन घंटे में दुधपान या स्तनपान करवाएं। यहां तक कि उन्हें रात में जगाकर भी कम से कम दो बार स्तनपान अवश्य कराएं। अगर किसी मेडिक्ल कारण से स्तनपान कराना संभव ना हो तो आप फॉर्म्यूला मिल्क दे सकती हैं। 1 साल से पहले शिशु को गाय का दूध देने से बचे क्योंकि इससे उनमे अपच की समस्या हो सकती हैं।

बीमारियों से बचाव

शिशुओं को बीमार होने से कैसे बचाएं।

1. कमरे का तापमान सामान्य रखें
2. बच्चे को किस न करें और न करने दें
3. हाथ धोकर, सैनिटाइज करके ही शिशु को गोद में उठाएं
4. बच्चे को 6 महीने की उम्र तक स्तनपान ही कराएं
5. साफ-सफाई का विशेष ख्याल रखें

वैक्सीनेशन

बच्चे के अच्छे स्वास्थ्य के लिए नियमित और सम्पूर्ण टीकाकरण बेहद जरूरी है। बच्चों को सही उम्र में टीके यानि वैक्सीन देना बहुत जरूरी है, इससे उन्हें कई तरह की बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सकता है।

अगर बच्चे को बुखार है तो क्या करें?

- अगर बच्चे का बॉडी टेम्परेचर 99.5 फॉरेन्हाइट से ऊपर या 37.5 डिग्री सेल्सियस से ऊपर है, तो समझिये बच्चे को बुखार है, जो कि चिंता की बात है तब बच्चे को डॉक्टर की सलाह लेकर पैरासिटामोल ड्राप दें।
- बच्चे को अगर 102 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बुखार हो, तो पानी की पट्टी करें।
- बच्चे के हाइड्रेशन का ध्यान रखें। पानी, सूप जैसी चीजें उसे लगातार देती रहें।
- रूम टेम्परेचर नॉर्मल रहने दें। रूम में हीटर चलाकर कमरे को गर्म न करें।
- अगर बच्चा ब्रेस्ट फीडिंग करता है और मां को बुखार है, तब भी फीडिंग कराना न छोड़ें।

बच्चों के शल्य चिकित्सा (सर्जरी)

हर्निया
(Hernia)

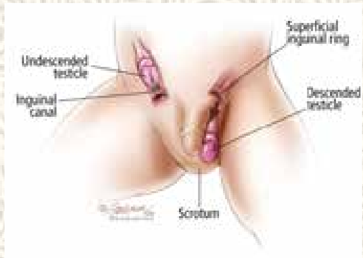

कौड़ी का उपर होना
(Undescended testis)

पैखाना का रास्ता का न हाना
(Anorectal malformation)

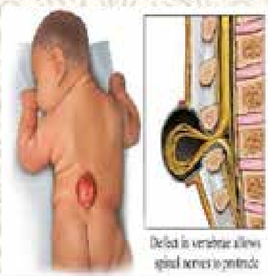

मास्तिष्कावरण हर्निया
(Meningomyelocoele)

मास्तिष्क में जमे पानी
(Hydrocephalus)

Omphalocele and
Gastroschisis

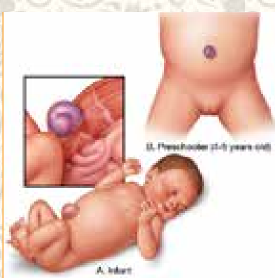

नाभि हर्निया
(Umbilical Hernia)

Hypospadias

अधोमूत्रमार्गता
(Circumcision)

VINAYAK CHILD HOSPITAL

बच्चों के शल्य चिकित्सा (सर्जरी)

Dermoid Cyst

Tongue-Tie

Thyroglossal Duct Cyst

Cystic Hygroma

Hemangioma

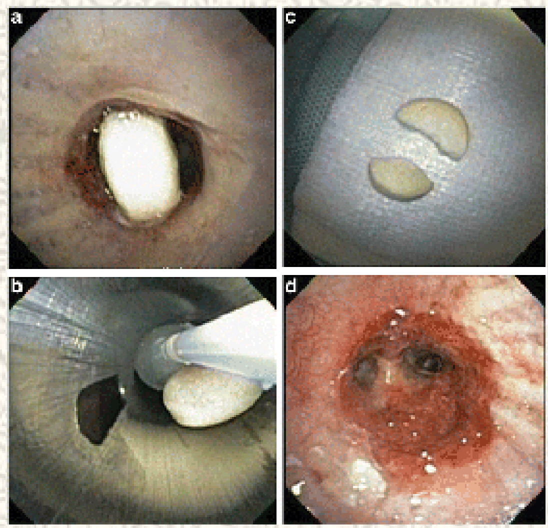

Bronchoscopic FB Removal

Vascular Malformations

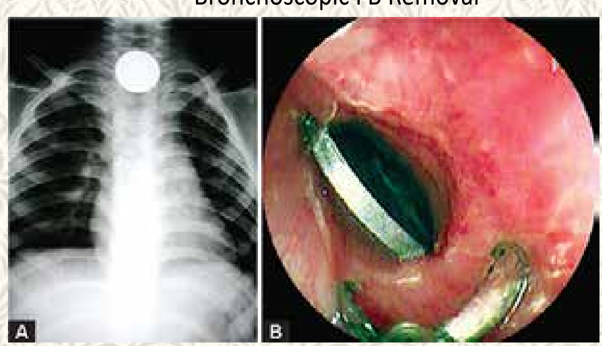

Endoscopic Coin Removal

VINAYAK CHILD HOSPITAL

VINAYAK CHILD HOSPITAL

(Advanced Neonatal & Pediatric Hospital)

Jelhata Chowk Near Ramada Hotel Daltonganj Palamu ,

Mobile Number :- +91 8235550925 06562350009, 06562350010

अब खास तकनीको से की जा सकेगी

बच्चों की सर्जरी